

बालिका भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 08-12-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

लट् लकार - (वर्तमान काल), वाक्य, उदाहरण, अर्थ -
संस्कृत

लट् लकार

वर्तमाने लट्- वर्तमान काल में लट् लकार का प्रयोग होता है। क्रिया के जिस रूप से कार्य का वर्तमान समय में होना पाया जाता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं, जैसे- राम घर जाता है- रामः गृहं गच्छति। इस वाक्य में 'जाना' क्रिया का प्रारम्भ होना तो पाया जाता है, लेकिन समाप्त होने का संकेत नहीं मिल रहा है। 'जाना' क्रिया निरन्तर चल रही है। अतः यहाँ वर्तमान काल है।

क्रिया सदैव अपने कर्ता के अनुसार ही प्रयुक्त होती है। कर्ता जिस पुरुष, वचन तथा काल का होता है, क्रिया भी उसी पुरुष, वचन तथा काल की ही प्रयुक्त होती है। यह स्पष्ट ही किया जा चुका है कि मध्यम पुरुष में युष्मद् शब्द (त्वम्) के रूप तथा उत्तम पुरुष में अस्मद् शब्द (अहम्) के रूप ही प्रयुक्त होते हैं। शेष जितने भी संज्ञा या सर्वनाम के रूप हैं, वे सब प्रथम पुरुष में ही प्रयोग किये जाते हैं।

लट् लकार वर्तमान काल धातु रूप संरचना

पुरुष एकवचन द्विवचन बहुवचन

प्रथम पुरुष ति तः अन्ति

मध्यम पुरुष सि थः थ

उत्तम पुरुष आमि आवः आमः

